लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 11 February 2023

JAGRAN CITY PAGE III

एक वर्षीय पीजी कोर्स में ट्राइमेस्टर प्रणाली लागू करने की तैयारी

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत एक वर्षीय पाठ्यक्रम तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके तहत गठित कमेटी की पहली बैठक शुक्रवार को हुई, जिसमें देश के टाप रैंकिंग में शामिल विश्वविद्यालयों के एक वर्षीय पाठ्यक्रमों का अध्ययन करने, ट्राइमेस्टर प्रणाली लागू करने पर भी विचार किया गया।

डीन एकेडमिक प्रोफेसर पूनम टंडन ने बताया कि कमेटी के सदस्य अमेरिका, यूके, जर्मनी, कनाडा सहित दुनियाभर में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों के एक वर्षीय परास्नातक पाठ्यक्रम और पैटर्न का अध्ययन करेंगे। बैठक में एक वर्षीय पीजी कोर्स में ट्राइमेस्टर प्रणाली को लागू करने पर भी चर्चा हुई। इस प्रणाली के तहत एक वर्ष में चार महीने के तीन-तीन सेमेस्टर होते हैं। यह व्यवस्था जर्मनी, कनाडा के टाप विश्वविद्यालयों में चल रही है।

विद्यार्थियों को मिलेंगे अधिक विकल्प : यह भी निर्णय लिया गया कि छात्रों को अधिक विकल्प देने के लिए एक वर्षीय पीजी कार्यक्रम में सभी विषय क्षेत्रों को शामिल किया जाना चाहिए। समिति के सदस्य सभी हितधारकों और विशेषज्ञों के साथ उचित विचार-विमर्श के बाद एनईपी के तहत एक वर्षीय पीजी कार्यक्रम को विकसित करने के लिए काम करेंगे। बैठक में प्रो. राकेश चंद्र, प्रो. विभूति राय, प्रो. अमिता बाजपेयी, प्रो. विमल जायसवाल, प्रो. मंजुला उपाध्याय, प्रो. देवेंद्र कुमार सिंह उपस्थित रहे। चार साल के स्नातक करने वाले विद्यार्थियों को एक वर्षीय पीजी में प्रवेश दिया जाएगा।

लविवि : 14 तक सत्यापित हो सकेंगे विषम सेमेस्टर के परीक्षा फार्म

जागरण प्रभाव

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने विषम सेमेस्टर-2022 की परीक्षाओं के आनलाइन फार्मों के सत्यापन कर सूची और शुल्क जमा करने की तिथि 14 फरवरी तक बढ़ा दी है। पिछले कई दिनों से कालेज इस समस्या से जूझ रहे थे। दैनिक जागरण ने 10 फरवरी अंक में 'अब स्नातक पांचवें सेमेस्टर परीक्षा फार्म सत्यापन में फंसे' शीर्षक से खबर प्रकाशित कर कालेजों द्वारा तिथि बढ़ाने की मांग को प्रमुखता से उठाया था। शुक्रवार शाम को परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने तिथि बढ़ाकर राहत दे दी।

लवि के प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि विषम सेमेस्टर के नियमि, बैक पेपर व इक्जेम्टेड की परीक्षाओं के आनलाइन भरे गए परीक्षा फार्मों की सत्यापित सूची एवं निर्धारित शुल्क परीक्षा विभाग में जमा करने के लिए 14 फरवरी तक मौका दे दिया गया है। गौरतलब है कि लवि ने 10 फरवरी तक ही सत्यापित सूची जमा करने की समय सीमा निर्धारित की थी, लेकिन कई दिनों से पोर्टल की साइट धीमी चलने, परीक्षा फार्म सत्यापित न हो पाने सहित तमाम दिक्कतें आ रहीं थीं।

TARUN MITRA PAGE 2, 12

लविवि ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को अपनाया : राय

लखनऊ, 10 फरवरी (तरुणमित्र)। नैक से ए प्लस प्लस मान्यता प्राप्त करने और क्यू एस वर्ल्ड रैंकिंग और द रैंकिंग सहित कई अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में आने के बाद कुलाधिपति और कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय की वैश्विक पहुंच को मजबूत करने और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार लविवि के शैक्षणिक कार्यक्रमों के उन्नयन को लेकर गहरी प्रतिबद्धता दिखाई है।

कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय के मार्गदर्शन में लविवि ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को अपनाया और एनईपी को अक्षरशः लागू करने वाला देश का पहला विश्वविद्यालय बन गया। एक साल का पीजी कोर्स भी इस पॉलिसी का अहम हिस्सा है। लविवि के कुलपति ने एनईपी-2020 की सिफारिशों के अनुरूप एक वर्षीय पीजी कार्यक्रम तैयार करने के लिए एक समिति का गठन कर दिया है। इस समिति में प्रो. राकेश चंद्र, प्रो. पूनम टंडन, प्रो. विभूति राय, प्रो.अमिता बाजपेयी, प्रो. विमल जायसवाल, प्रो. मंजुला उपाध्याय, प्रो. देवेंद्र कुमार सिंह शामिल हैं। एक वर्षीय परास्नातक पाठ्यक्रम के ढांचे पर चर्चा करने के लिए इसकी पहली बैठक गुरुवार को हुई। जिससे चार वर्षीय स्नातक छात्रों को दिए गए क्रेडिट ढांचे के भीतर एक वर्ष में पर्याप्त ज्ञान प्राप्त हो सके। डीन एकेडमिक्स प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि कमेटी के सदस्य दुनियाभर में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों के एक वर्षीय परास्नातक कार्यक्रम के पाठ्यक्रम और पैटर्न को देखने के लिए सहमत हुए।

अंतर महाविद्यालयी खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

हरदोई, रायबरेली, सीतापुर व लखीमपुर की टीमों ने किया प्रतिभाग

लखनऊ, 10 फरवरी (तरुणमित्र)। राजधानी में आयोजित जी-20 सम्मेलन के अवसर पर लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के मार्गदर्शन में लविवि क्रीड़ा परिषद ने लविवि से संबद्ध चार जनपदों हरदोई, रायबरेली, सीतापुर, लखीमपुर के विभिन्न स्थानीय कॉलेजों के मध्य तीन दिवसीय अंतर महाविद्यालयी खेल प्रतियोगिताओं का अयोजन किया।

इस अयोजन के संचालन की जिम्मेदारी चार अलग-अलग नोडल सेंटर को दी गई। रायबरेली में दयानंद कॉलेज, हरदोई में सीएसएन कॉलेज, सीतापुर में आरएमपी कॉलेज और लखीमपुर में वाई.डी. कॉलेज आदि को नोडल सेंटर बनाया गया। इन सभी जनपदों में खेल प्रतियोगिताएं आयोजित किए गए सीतापुर की खेल प्रतियोगिताओं का उद्घाटन प्रो. पूनम टंडन अधिष्ठाता छात्र कल्याण , लखीमपुर में प्रो. रूपेश कुमार अध्यक्ष क्रीड़ा संघ, हरदोई में डॉ.अमरेंद्र कुमार सहायक कुलानुशासक एवं रायबरेली में जिला पंचायत सदस्य अवधेश कुमार सिंह ने

किया। वहीं, इस प्रतियोगिता में कुल 238 टीमों ने पंजीकरण कराया। पहले दिन प्रतियोगिता का शुभारंभ उद्घाटन घोषणा एवं ध्वजारोहण के साथ शुरू हुई। इस मौके पर प्रो. रजनीकांत, प्रो. हेमंत पाल, प्रो. केके सिंह, प्रो. सुभाष श्रीवास्तव, डॉ.अलका मिश्रा, डॉ.अमरेंद्र कुमार, डॉ.प्रवीश प्रकाश, डॉ.उमेश शुक्ला, डॉ.वीरेंद्र त्यागी अथवा अन्य सम्मानित शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

किसान गोष्ठी का अयोजन

वीकेटी लखनऊ, 10 फरवरी (तरुणमित्र)। निजामपुर मझिगवां में प्रधानमंत्री के अमृत काल के बजट पर किसान गोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है, हजारो की संख्या किसन भाई उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विजय प्रताप सिंह क्षेत्रीय महामंत्री अवध क्षेत्र निकाय प्रभारी अवध क्षेत्र, विशिष्ट अतिथि रामानंद कटियार, प्रदेश कार्यालय सह प्रभारी किसान मोर्चा, जिला अध्यक्ष अतुल मिश्रा किसान मोर्चा, लखनऊ, श्याम बहादुर कठेरिया, उपस्थित रहे, साथ में जिले के महामंत्री वीरेंद्र शंकर मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष अभिषेक शर्मा जिला उपाध्यक्ष, हेमराज राजपूत, जिला उपाध्यक्ष, रविन्द्र विक्रम सिंह, कार्यक्रम के संयोजक जिला उपाध्यक्ष अनिल सिंह, कार्यक्रम आयोजक मंडल अध्यक्ष किसान मोर्चा हनुमान प्रसाद समाज सेवी गोपाल शर्मा, प्राशन्त सिंह, सभी सम्मानित जिले के पदाधिकारी एवं सभी मंडल के पदाधिकारी गण उपस्थित रहे।

जी-20 के तहत लविवि में निकाली जागरूकता रैली

लखनऊ, 10 फरवरी (तरुणमित्र)। उत्तर प्रदेश में निवेश को और अधिक बढ़ावा देने के लिए राजधानी में तीन दिवसीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट आयोजन 10 से 12 फरवरी तक किया गया है। इसका उद्घाटन शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल व कुलाधिपति लखनऊ विश्वविद्यालय आनंदीबेन पटेल एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी उपस्थित रहे। इस महत्वपूर्ण अवसर पर लविवि में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के नेतृत्व में छात्रों द्वारा ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को लेकर एक रैली का आयोजन किया गया। जिसमें जी-20 के प्रति आम जनमानस को जागरूक किया गया। यह रैली लविवि के पवेलियन ग्राउंड से निकलकर भाऊराव देवरस द्वार होते हुए गेट नंबर 2 से होते हुए गेट नंबर 4 से पुनः परिसर के अंदर आकर पवेलियन ग्राउंड में समाप्त हुई।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

कॉलेजों में शुरू हुईं खेलकूद प्रतियोगिताएं

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विवि क्रीड़ा परिषद ने अन्य जनपदों में संबद्ध महाविद्यालयों में शुक्रवार को तीन दिवसीय अंतर महाविद्यालयी खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया। इनमें लविवि से संबद्ध चार जनपदों हरदोई, रायबरेली, सीतापुर और लखीमपुर के कॉलेज शामिल रहे।

लविवि से संबद्ध खेल प्रतियोगिताओं का बछरावां में भी हुआ आगाज। - संवाद

रायबरेली में दयानंद कॉलेज, हरदोई में सीएसएन कॉलेज, सीतापुर में आरएमपी कॉलेज और लखीमपुर में वाईडी कॉलेज को प्रतियोगिताओं का नोडल सेंटर बनाया गया है। सीतापुर में प्रो. पूनम टंडन डीन छात्र कल्याण, लखीमपुर में प्रो. रूपेश कुमार अध्यक्ष क्रीड़ा संघ, हरदोई में डॉ. अमरेंद्र कुमार सहायक कुलानुशासक और रायबरेली में जिला पंचायत सदस्य अवधेश कुमार सिंह ने प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया। इन प्रतियोगिताओं के लिए कुल 238 टीमों ने पंजीकरण कराया है। पहले दिन प्रतियोगिता का शुभारंभ ध्वजारोहण से हुआ। इस मौके पर प्रो. रजनीकांत, प्रो. हेमंत पाल, प्रो. केके सिंह, प्रो. सुभाष श्रीवास्तव, डॉ. अल्का मिश्रा आदि मौजूद रहे।

छात्रों ने निकाली जीआईएस रैली : लखनऊ। लविवि में शुक्रवार को छात्रों ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट आधारित रैली निकाली। यह रैली पवेलियन ग्राउंड से निकलकर भाऊराव देवरसव द्वार होते हुए पवेलियन ग्राउंड पर समाप्त हुई। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय भी मौजूद रहे। (संवाद)

लविवि : एक वर्षीय पीजी कोर्स को लेकर बैठक

लखनऊ। लविवि में नई शिक्षा नीति के तहत एक वर्षीय पीजी कोर्स के पाठ्यक्रम पर चर्चा के लिए समिति की पहली बैठक हुई। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने इस समिति का गठन नई शिक्षा नीति की सिफारिशों के अनुसार पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए किया है। इस समिति में प्रो. राकेश चंद्र, प्रो. पूनम टंडन, प्रो. विभूति राय, प्रो. अमिता बाजपेयी, प्रो. विमल जायसवाल, प्रो. मंजुला उपाध्याय और प्रो. देवेंद्र कुमार सिंह शामिल हैं। डीन एकेडमिक्स प्रोफेसर पूनम टंडन ने बताया कि समिति के सदस्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों के एक वर्षीय परास्नातक कार्यक्रम के पाठ्यक्रम और पैटर्न को देखने के लिए सहमत हुए। समिति ने इस बात पर भी विचार किया कि क्या विश्वविद्यालय को इस विशेष कार्यक्रम के लिए द्वि-वार्षिक सेमेस्टर प्रणाली अपनानी चाहिए। समिति ने पीजी कार्यक्रम में सभी विषय क्षेत्रों को शामिल करने का निर्णय लिया। (संवाद)

परीक्षा फॉर्म की सत्यापित सूची और शुल्क अब 14 तक कर सकेंगे जमा

लखनऊ। लविवि व सहयुक्त महाविद्यालय अब 14 फरवरी तक विषम सेमेस्टर परीक्षाओं के नियमित, बैकपेपर व इग्जेम्पटेड परीक्षाओं के ऑनलाइन भरे गए फार्मों की सत्यापित सूची जमा कर सकेंगे। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि महाविद्यालय, निर्धारित शुल्क भी विवि के परीक्षा विभाग में 14 फरवरी तक जमा कर सकते हैं। पहले यह तिथि 10 फरवरी थी, जिसके बढ़ाकर 14 फरवरी किया गया है। (संवाद)

छात्रों ने जानीं चित्रकारी की बारीकियां

लखनऊ। लविवि के कला एवं शिल्प महाविद्यालय में शुक्रवार को युवा चित्रकार संघपाल उत्तम म्हस्के की ओर से पोर्ट्रेट डिमांस्ट्रेशन हुआ। इस दौरान बीवीए व एमवीए के छात्रों ने चित्रकारी विधा पर उनका व्याख्यान भी सुना। उन्होंने बताया कि वह सर जेजे स्कूल ऑफ आर्ट्स के विद्यार्थी रहे हैं। वर्ष 2013 में पोर्ट्रेचर में गोल्ड मेडलिस्ट मास्टर्स कर चुके हैं। वह देहरादून स्थित इरा विवि में अध्यापक हैं। इस दौरान कला एवं शिल्प महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. रतन कुमार, रविकांत पांडेय, अमृत सिन्हा, संजय कुमार, डॉ. जयदीप दास गुप्ता आदि मौजूद रहे। (संवाद)

PIONEER PAGE 3

एक वर्षीय पीजी कार्यक्रम को लेकर एलयू ने गठित की समिति

लखनऊ। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू किये जाने के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय ने एक वर्षीय पीजी पाठ्यक्रम को लेकर एक कमेटी का गठन किया है। साथ ही गठित कमेटी की एक बैठक भी हो चुकी है। विश्वविद्यालय के कुलपति ने एनईपी 2020 की सिफारिशों के अनुरूप एक वर्षीय पीजी कार्यक्रम तैयार करने के लिए एक समिति का गठन कर दिया है। समिति में प्रो राकेश चंद्रा, प्रो पूनम टंडन, प्रो विभूति राय, प्रो अमिता बाजपेयी, प्रो विमल जायसवाल, प्रो मंजुला उपाध्याय, प्रो देवेंद्र कुमार सिंह शामिल हैं। एक वर्षीय परास्नातक पाठ्यक्रम के ढांचे पर चर्चा करने के लिए इसकी पहली बैठक कल संपन्न हुई, ताकि चार वर्षीय स्नातक छात्रों को दिए गए क्रैडिट ढांचे के भीतर एक वर्ष मे पर्याप्त ज्ञान प्राप्त हो सके। डीन एकेडमिक्स प्रो पूनम टंडन ने बताया कि समिति ने इस बात पर भी विचार किया कि क्या विश्वविद्यालय को इस विशेष कार्यक्रम के लिए ट्राइमेस्टर प्रणाली या द्वि.वार्षिक सेमेस्टर प्रणाली अपनानी चाहिए। यह भी निर्णय लिया गया कि छात्रों को अधिक विकल्प देने के लिए एक वर्षीय पीजी कार्यक्रम में सभी विषय क्षेत्रों को शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने आगे बताया कि समिति के सदस्य सभी हितधारकों और विशेषज्ञों के साथ उचित विचार.विमर्श के बाद एनईपी द्वारा परिकल्पित एक वर्षीय पीजी कार्यक्रम को विकसित करने के लिए काम करेंगे।

VoL PAGE 6

महाविद्यालयों में शुरू हुई खेल प्रतियोगिता

लखनऊ।जी 20 कार्यकम के अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद ने लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध चार जिलों हरदोई, रायबरेली, सीतापुर और लखीमपुर के विभिन्न स्थानीय कॉलेजों के मध्य तीन दिवसीय अंतर महाविद्यालयी खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन शुक्रवार को किया। इस अयोजन के संचालन की जिम्मेदारी चार अलग- अलग नोडल सेंटर को दी गयी है। रायबरेली में दयानंद कॉलेज, हरदोई में सीएसएन कॉलेज, सीतापुर में आरएमपी कॉलेज और लखीमपुर में वाईडी कॉलेज आदि को नोडल सेंटर बनाया गया है। इन सभी जिलों में खेल प्रतियोगितायें आयोजित किये गये सीतापुर का खेल प्रतियोगिताओं का उद्घाटन अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन, लखीमपुर में क्रीड़ा संघ के अध्यक्ष प्रो. रूपेश कुमार, हरदोई में सहायक कुलानुशासक डा. अमरेंद्र कुमार और रायबरेली में जिला पंचायत सदस्य अवधेश कुमार सिंह ने किया। इस प्रतियोगिता में कुल 238 टीमों ने पंजीकरण कराया।

एक साल पीजी कोर्स के लिए समिति गठित

लखनऊ। लविवि के कुलपति ने एनईपी 2020 की सिफारिशों के अनुरूप एक वर्षीय पीजी कार्यक्रम तैयार करने के लिए एक समिति का गठन कर दिया है। समिति में प्रो. राकेश चंद्र, प्रो. पूनम टंडन, प्रो. विभूति राय, प्रो. अमिता बाजपेयी, प्रो. विमल जायसवाल, प्रो. मंजुला उपाध्याय और प्रो. देवेंद्र कुमार सिंह शामिल हैं। एक वर्षीय परास्नातक पाठ्यक्रम के ढांचे पर चर्चा करने के लिए इसकी पहली बैठक संपन्न हुई ताकि चार वर्षीय स्नातक छात्रों को दिये गये क्रेडिट ढांचे के भीतर एक वर्ष मे पर्याप्त ज्ञान प्राप्त हो सके। डीन एकेडमिक्स प्रो पूनम टंडन ने बताया कि कमेटी के सदस्य दुनिया भर में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों के एक वर्षीय परास्नातक कार्यक्रम के पाठ्यक्रम और पैटर्न को देखने के लिए सहमत हुए। एक साल का परास्नातक पाठ्यक्रम स्नातक छात्रों को आगे बढ़ने के विशेषज्ञता के चयन में तथा उस क्षेत्र में अपने ज्ञान को बढ़ाने का अवसर देता है। अमेरिका और यूरोपीय विश्वविद्यालयों की संख्या पहले से ही इस तरह के शैक्षणिक कार्यक्रम चला रही है।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

एक वर्षीय पीजी कोर्स के लिए समिति की पहली बैठक

स्वतंत्र भारत संवाददाता ,लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति ने एनईपी 2020 की सिफारिशों के अनुरूप एक वर्षीय पीजी कार्यक्रम तैयार करने के लिए एक समिति का गठन कर दिया है। समिति में प्रो. राकेश चंद्र, प्रो. पूनम टंडन, प्रो. विभूति राय, प्रो. अमिता बाजपेयी, प्रो. विमल जायसवाल, प्रो. मंजुला उपाध्याय, प्रो. देवेंद्र कुमार सिंह शामिल हैं। एक वर्षीय परास्नातक पाठ्यक्रम के ढांचे पर चर्चा करने के लिए इसकी पहली बैठक शुक्रवार को संपन्न हुई ताकि चार वर्षीय स्नातक छात्रों को दिए गए क्रेडिट ढांचे के भीतर एक वर्ष मे पर्याप्त ज्ञान प्राप्त हो सके। डीन एकेडमिक्स प्रो पूनम टंडन ने बताया कि कमेटी के सदस्य दुनिया भर में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों के एक वर्षीय परास्नातक कार्यक्रम के पाठ्यक्रम और पैटर्न को देखने के लिए सहमत हुए। एक साल का परास्नातक पाठ्यक्रम स्नातक छात्रों को आगे बढ़ने के विशेषज्ञता के चयन में तथा उस क्षेत्र मे अपने ज्ञान को बढ़ाने का अवसर देता है। अमेरिका और यूरोपीय विश्वविद्यालयों की संख्या पहले से ही इस तरह के शैक्षणिक कार्यक्रम चला रही है। समिति ने इस बात पर भी विचार किया कि क्या विश्वविद्यालय को इस विशेष कार्यक्रम के लिए ट्राइमेस्टर प्रणाली या द्वि-वार्षिक सेमेस्टर प्रणाली अपनानी चाहिए। यह भी निर्णय लिया गया कि छात्रों को अधिक विकल्प देने के लिए एक वर्षीय पीजी कार्यक्रम में सभी विषय क्षेत्रों को शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने आगे बताया कि समिति के सदस्य सभी हितधारकों और विशेषज्ञों के साथ उचित विचार-विमर्श के बाद एनईपी द्वारा परिकल्पित एक वर्षीय पीजी कार्यक्रम को विकसित करने के लिए काम करेंगे।

लविवि के महाविद्यालयों में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

स्वतंत्र भारत संवाददाता ,लखनऊ। जी 20 कार्यक्रम के अवसर पर कुलपती प्रो. आलोक कुमार राय के मार्गदर्शन से लखनऊ विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद ने लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध चार जनपदों हरदोई, रायबरेली, सीतापुर, लखीमपुर, के विभिन्न स्थानीय कॉलेजों के मध्य तीन दिवसीय अंतर महाविद्यालयी खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

इस अयोजन के संचालन की जिम्मेदारी चार अलग अलग नोडल सेंटर को दी गई रायबरेली में दयानंद कॉलेज, हरदोई में सी एस एन कॉलेज, सीतापुर में आर एम पी कॉलेज और लखीमपुर में वाई डी कॉलेज आदि को नोडल सेंटर

बनाया गया इस सभी जनपदों में खेल प्रतियोगिताएं आयोजित किए गए सीतापुर जनपद का खेल प्रतियोगिताओं का उदघाटन प्रो. पूनम टंडन अधिष्ठाता छात्र कल्याण ,लखीमपुर में प्रो. रूपेश कुमार अध्यक्ष क्रीड़ा संघ, हरदोई में डॉ अमरेंद्र कुमार सहायक कुलानुशासक एवं रायबरेली में जिला पंचायत सदस्य अवधेश कुमार सिंह ने किया इस प्रतियोगिता में कुल 238 टीमों ने पंजीकरण कराया। पहले दिन प्रतियोगिता का शुभारंभ उदघाटन घोषणा एवं ध्वजा रोहण के साथ शुरू हुई इस मौके पर प्रो. रजनीकांत, प्रो. हेमंत पाल, प्रो. के के सिंह, प्रो. सुभाष श्रीवास्तव, डॉ अल्का मिश्रा, डॉ अमरेंद्र कुमार, डॉ प्रवीश प्रकाश, डॉ उमेश शुक्ला, डॉ वीरेंद्र त्यागी अथवा अन्य सम्मानित शिक्षक एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।